15 ★ सूरदास के पद



(1)

मैया, कबिहं बढ़ैगी चोटी?

किती बार मोहिं दूध पियत भई, यह अजहूँ है छोटी। तू जो कहित बल की बेनी ज्यों, ह्वै है लाँबी-मोटी। काढ़त-गुहत न्हवावत जैहै, नागिनी सी भुइँ लोटी। काँचौ दूध पियावत पिच-पिच, देति न माखन-रोटी। सूर चिरजीवौ दोउ भैया, हिर-हलधर की जोटी।

(2)

तेरैं लाल मेरी माखन खायी।

दुपहर दिवस जानि घर सूनो ढूँढ़ि-ढँढ़ोरि आपही आयौ। खोलि किवारि, पैठि मंदिर मैं, दूध-दही सब सखनि खवायौ। ऊखल चढ़ि, सींके कौ लीन्हौ, अनभावत भुइँ मैं ढरकायौ। दिन प्रति हानि होति गोरस की, यह ढोटा कौनैं ढँग लायौ। सूर स्याम कौं हटिक न राखै तैं ही पूत अनोखौ जायौ।







- 1. बालक श्रीकृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए?
- 2. श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या-क्या सोच रहे थे?
- 3. दुध की तुलना में श्रीकृष्ण कौन-से खाद्य पदार्थ को अधिक पसंद करते हैं?
- 4. 'तैं ही पूत अनोखौ जायौ'- पंक्तियों में ग्वालन के मन के कौन-से भाव मुखरित हो रहे हैं?
- 5. मक्खन चुराते और खाते समय श्रीकृष्ण थोड़ा-सा मक्खन बिखरा क्यों
- 6. दोनों पदों में से आपको कौन-सा पद अधिक अच्छा लगा और क्यों?



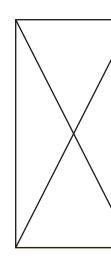
अनुमान और कल्पना

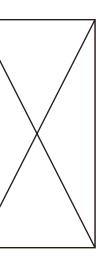
- 1. दूसरे पद को पढ़कर बताइए कि आपके अनुसार उस समय श्रीकृष्ण की उम्र क्या रही होगी?
- 2. ऐसा हुआ हो कभी कि माँ के मना करने पर भी घर में उपलब्ध किसी स्वादिष्ट वस्तु को आपने चुपके-चुपके थोड़ा-बहुत खा लिया हो और चोरी पकड़े जाने पर कोई बहाना भी बनाया हो। अपनी आपबीती की तुलना श्रीकृष्ण की बाल लीला से कीजिए।
- 3. किसी ऐसी घटना के विषय में लिखिए जब किसी ने आपकी शिकायत की हो और फिर आपके किसी अभिभावक (माता-पिता, बडा भाई-बहिन इत्यादि) ने आपसे उत्तर माँगा हो।



भाषा की बात

- 1. श्रीकृष्ण गोपियों का माखन चुरा-चुराकर खाते थे इसलिए उन्हें माखन चुरानेवाला भी कहा गया है। इसके लिए एक शब्द दीजिए।
- 2. श्रीकृष्ण के लिए पाँच पर्यायवाची शब्द लिखिए।





94 वसंत भाग 3

3. कुछ शब्द परस्पर मिलते-जुलते अर्थवाले होते हैं, उन्हें पर्यायवाची कहते हैं। और कुछ विपरीत अर्थवाले भी। समानार्थी शब्द पर्यायवाची कहे जाते हैं और विपरीतार्थक शब्द विलोम, जैसे-

पर्यायवाची- चंद्रमा-शशि, इंदु, राका

मधुकर-भ्रमर, भौरा, मधुप

सूर्य-रवि, भानु, दिनकर

विपरीतार्थक- दिन-रात

श्वेत-श्याम

शीत-उष्ण

पाठों से दोनों प्रकार के शब्दों को खोजकर लिखिए।

शब्दार्थ

अजहूँ – आज भी हरि-हलधर- कृष्ण-बलराम – जोडी जोटी – बलराम बल बेनी - चोटी पैठि - घुसकर – छींका जिसमें दूध-दही - होगी सींके आदि रखा जाता है काढ्त – बाल बनाना - गाय के दूध से बने पदार्थ – गूँथना गोरस गुहत दही, मक्खन, घी आदि भुइँ – पृथ्वी, भूमि – लोटने लगी ढोटा - लड्का लोटी पचि-पचि - बार-बार

